realpatidar.com

।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।



प. पू. प्रातः स्मरणीय, धर्माचार्यवृंद,

श्री चरणो में सादर प्रणाम,

विषय : अखिल भारतीय सतपंथ सनातन परिवार में वैदिक धर्म विरुध्द कुरीतीयों के समाप्त करनें हेतु निवेदन.

सेवा में,

सविनय नम्र प्रार्थना है कि अखिल भारतीय सतपंथ सनातन सेवा मंडल के आचार्य श्री करसनदासजी महाराज द्वारा आयोजित 'भारतीय वैदिक धर्मसमेलन आप सभी महानुभवों के सनिध्य में दिनांक ३०-३१ डिसेम्बर १९९५ को घाटकोपर मुंबई में संपन्न होने जा रहा है। प. पू आचार्य श्री करसनदासजी महाराज समय - समय पर अपने विचारों द्वारा वैदिक धर्म की सेवा करते आ रहे है। और भारतीय सनातन धर्म एवं समाज के सम्पूर्ण विकास के लिये सतत् प्रयास कर रहें है।

अनादिकाल से सारे विश्व को मानवता का दर्शन कराने वाले हमारे ऋषी मुनी एवं साधुसंत समाज ही है। साधु संतो के पुण्यप्रताप से ही हम और हमारा समाज अपने वैदिक धर्म एवं संस्कृति की रक्षा कर सकें हैं। इस पर हमें गर्व है।

गत दस - बारह सौ वर्ष में हमारे वैदिक सतातन धर्म पर विदेशी धर्मों का नाना प्रकार आक्रमण हुअे। उन आक्रमणों के चिन्ह अभी भी हमारे समाज में व्याप्त है। उदाहरण स्वरुप अपने धर्म में शरीर त्याग ने के पश्चात अग्नि संस्कार किया जाता है। परन्तु अपने सतपंथ के अनुसारओं मे शरीर त्याग के बाद दफनाते है। जो हमारे धर्म एवं संस्कृति के लिये योग्य नही है। उसी प्रकार पूजा विधी अपनी संस्कृती के अनकूल दिखाई नही देती है।

अत: आप सभी साधुसंतो के श्री चरणों में विनम्र प्रार्थना है कि आप सभी धर्म के पथप्रदेर्शक है और सनातन वैदिक धर्म की रक्षा करने वाले है। हमारे समाज में

realpatidar.com



Real Patidar Library

https://www.realpatidar.com/library

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: http://www.realpatidar.com

About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting http://www.realpatidar.com

Digitally signed by realpatidar.com
DN: cn=realpatidar.com, o=realpatidar.com, email=mail@realpatidar.com
Reason: I have reviewed this document
Date: 2025.05.08 14:12:14 +05'30'

realpatidar.com

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

No specific pages. See whole book.

।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।



प. पू. प्रातः स्मरणीय, धर्माचार्यवृंद,

श्री चरणो में सादर प्रणाम,

विषय : अखिल भारतीय सतपंथ सनातन परिवार में वैदिक धर्म विरुध्द कुरीतीयों के समाप्त करनें हेतु निवेदन,

सेवा में,

सविनय नम्र प्रार्थना है कि अखिल भारतीय सतपंथ सनातन सेवा मंडल के आचार्य श्री करसनदासजी महाराज द्वारा आयोजित 'भारतीय वैदिक धर्मसमेलन आप सभी महानुभवों के सनिध्य में दिनांक ३०-३१ डिसेम्बर १९९५ को घाटकोपर मुंबई में संपन्न होने जा रहा है। प. पू आचार्य श्री करसनदासजी महाराज समय - समय पर अपने विचारों द्वारा वैदिक धर्म की सेवा करते आ रहे है। और भारतीय सनातन धर्म एवं समाज के सम्पूर्ण विकास के लिये सतत् प्रयास कर रहें है।

अनादिकाल से सारे विश्व को मानवता का दर्शन कराने वाले हमारे ऋषी मुनी एवं साधुसंत समाज ही है। साधु संतो के पुण्यप्रताप से ही हम और हमारा समाज अपने वैदिक धर्म एवं संस्कृति की रक्षा कर सकें हैं। इस पर हमें गर्व है।

गत दस - बारह सौ वर्ष में हमारे वैदिक सतातन धर्म पर विदेशी धर्मों का नाना प्रकार आक्रमण हुओ। उन आक्रमणों के चिन्ह अभी भी हमारे समाज में व्याप्त है। उदाहरण स्वरुप अपने धर्म में शरीर त्याग ने के पश्चात अग्नि संस्कार किया जाता है। परन्तु अपने सतपंथ के अनुसारओं मे शरीर त्याग के बाद दफनाते है। जो हमारे धर्म एवं संस्कृति के लिये योग्य नही है। उसी प्रकार पूजा विधी अपनी संस्कृती के अनकूल दिखाई नही देती है।

अतः आप सभी साधुसंतो के श्री चरणों में विनम्र प्रार्थना है कि आप सभी धर्म के पथप्रदेर्शक है और सनातन वैदिक धर्म की रक्षा करने वाले है। हमारे समाज में

realpatidar.com

realpatidar.com

जो-जो कुरीतीयां प्रचलित हैं उनको समाप्त करने हेतु अपने होनेवाले इस वैदिक धर्म सम्मेलन में विचार विमर्ष कर उन कुरीतीयों को समाप्त करने की घोषणा कर अपने वैदिक धर्म की ध्वजा को और आगे बढ़ायें। एवं सुयोग्य आचार सहिंता प्रस्तुत करें। यही हमारी आप सभी साधुसंतो के श्री चरणों में करबध्द प्रार्थना है।

आपके

चरणानुरागी,

श्री कच्छ कडवा पाटिदार सनातन समाज के सदस्य

१. [illegible] (પ્રમુખશ્રી [illegible])
२. લધાભાઈ વિશ્રામ પટેલ (પ્રમુખ. મંડળ કાર્યાલય)
३. [illegible] પટેલ (ચેરમેન મુંબઈ)
४. લખમશી લધા પટેલ (ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
५. દેવજી [illegible] પટેલ (ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
६. કુરજી મનજી પટેલ (ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
७. પટેલ [illegible] (માજી ચેરમેન મુંબઈ)
८. ગંગારામ દેવજી પોકાર (મંત્રી દરશડી સમાજ)
९. [illegible] (માજી ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
१०. [illegible] રતનશી પટેલ (માજી ચેરમેન મુંબઈ) (વા. હિ. પ. [illegible]) ઘાટકોપર
११. રતનશી મુળજી વાસાણી (માજી ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
१२. [illegible] પોકાર
१३. [illegible]
१४. નારાણભાઈ રતનશી [illegible] (મંત્રી, ઉમીયા માતાજી [illegible])
१५. કરમશી ગંગારામ પોકાર (ટ્રસ્ટી દેશલપર સમાજ)
१६. રામજી ગંગારામ પોકાર (ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
१७. [illegible] મંત્રી દેશલપર સમાજ
१८. મનજી ગોપાલ [illegible] (પ્રમુખ દરશડી સમાજ)
१९. [illegible] (ટ્રસ્ટી મુંબઈ)
२०. [illegible] સામાજીક કાર્યકર (મોટી વિરાણી કચ્છ)

realpatidar.com